श्री पंचदेव मंदिर में बाबा गंगाराम जयन्ती पर विशाल मेले का आयोजन

माई झु.न्यूज। श्री पंचदेव मंदिर, झुंझुनूं में श्री बाबा गंगाराम की पावन जयन्ती के अवसर पर विशाल मेले का आयोजन किया जाएगा। दो दिवसीय उक्त आयोजन आगामी 22 व 23 अगस्त 2007 को विभिन्न सतरंगी कार्यक्रमों के साथ व उल्लापूर्वक मनाया जायेगा। देश के विभिन्न भागों से श्रद्धालु भक्तगण, कलाकार, समाजसेवी व बड़ी संख्या में प्रवासी यहां पधार रहे हैं। मंदिर परिसर में बिजली की आकर्षण सजावट की जाएगी एवं फूल बंगले की झांकी सजाई जाएगी। उक्त अवसर पर मंदिर प्रांगण में नवनिर्मित भवन 'भक्त शिरोमणि देवकीनंदन अक्षण भवन' का शुभ उद्घाटन किया जाएगा।

मेले का शुभारम्भ विशाल शोभायात्रा से किया जाएगा जो मंदिर प्रांगण से प्रारम्भ होकर बाबा की जन्मस्थली भोदीगढ़ पहुंचेगी जहां से नगर परिभ्रमण करती हुई वापस पहुंचेगी। शोभायात्रा में बाबा के रथ सहित विभिन्न सजीव एवं स्वचालित झांकिया आकर्षण का केन्द्र होगी।

मंदिर परिसर में विशाल पण्डाल का निर्माण करवाया जा रहा है जिसमें झूलनोत्सव, भजन संध्या एवं नृत्य नाटिकाओं के कार्यक्रम आयोजित होंगे। भजन संध्या में भाग लेने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त भजन गायक श्री राजेन्द्र जैन (मुम्बई), लोकप्रिय गायक श्री विजय सोनी (कलकत्ता), श्री संजीव कोहली (मुम्बई), श्री प्रवेश शर्मा (बीकानेर), सुश्री त्रिचना सिंह (दिल्ली)सहित अनेक कलाकार भजनों की गंगा प्रवाहित करेंगे। श्री संजन नवीन पार्टी (कोलकाता), के निर्देशन में नृत्य नाटिकाओं की प्रस्तुति हेतु 26 कलाकारों का दल अपनी प्रस्तुति देंगे। बाबा गंगाराम की महिमा एवं भक्त शिरोमणी श्री देवकीनंदन के भक्ति और त्याग की गाथाओं को नृत्य संगीत के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे। इसके अलावा श्री गणेश प्रसंग, मयूर नृत्य महिषासुर मर्दिनी, हनुमत लीला, शिव तांडव नृत्य, घूमर एवं डांडिया के कार्यक्रम भी होंगे। इस सम्बंध में बाबा गंगाराम जयन्ती महोत्सव आयोजन समिति का गठन किया गया है जिसके अध्यक्ष श्री हरिप्रसाद अग्रवाल एवं सचिव श्री रामचंद्र मोदी ने बताया कि मेले में पधारने वाले यात्रियों के लिए आवासादि की समुचित व्यवस्था की जा रही है। सभा में बाबा गंगाराम सेवा समिति ने बनवारीलाल सिंघानियां (कोलकाता) रामकरण मोदी(बैंगलोर)सुरेश गोयल (दिल्ली), सहित अनेक सदस्यगण उपस्थित थे।

कलियुग के चमत्कारी देव : झुंझुनूंवाले बाबा गंगाराम:– भारत भूमि का कोना–कोना परम पवित्र एवं आध्यात्मिकता के तेज से परिपूर्ण है। समय–समय पर इस पावन धरा पर ईश्वर अवतार लेकर मानव रूप में क्रीड़ा करते हैं और धर्म की पुनः पुनः स्थापना करते हैं। उनके आचरण और दिव्य प्रेरणा शक्ति से लोग लाभांन्वित होते हैं और मनोकामना पूर्ण करते हैं।

बाबा का अवतरण व लीलाएं:– ऐसे ही दिव्य अवतारी बाबा गंगाराम का प्राकट्य आज के करीब 112 वर्ष पूर्व राजस्थान के झुंझुनूं में अग्रवंशीय वैश्य परिवार में लक्ष्मीदेवी की गोद में हुआ था। इनके पिता का नाम झुथाराम जी था। जन्म से पूर्व ही इन्होनें अपने माता पिता को विष्णुरूप में दर्शन देकर अपने दैविय: गुणों का आभास करा दिया था। झुंझुनूं नगर के मध्य आज भी वह हवेली अपनी गवाही देती हुई खड़ी है जहां विष्णु अवतारी बाबा ने अपने बाल्यकाल में समकालीन लोगों को अपनी ईश्वरीय शक्तियों से उपकृत किया था। उन्होंने अपने ज्ञान, दर्शन और आचरण से सबको चमत्कृत कर दिया। उनके देवोपम तेज से दिव्य वातावरण का निर्माण होता गया।

कर्मभूमि में दिव्य दर्शन:– परन्तु बाबा गंगाराम को परिवार का वैभव, राजसी जीवन व हवेली की दिवारे रोक नहीं पाई और वे सात्विक वातावरण का प्रसारण करते हुए उत्तरप्रदेश के बाराबंकी जिले में सफदरगंज नामक स्थान में पावन कल्याणी नदी के तट पर पधारे। उनके आगमन से बरसाती कल्याणी नदी एक बारहमासी नदी केतट पर पधारे। उनके आगमन से बरसाती कल्याणी नदी एक बारह मासी नदी के रूप में बहने लगी। इसी नदी के जल में बाबा ने अपने विष्णुरूप का आभास भक्तों को कराया था। इस प्रकार की अनेकों लीलायें करते हुए बाबा मात्र 43 वर्ष की अल्पायु में ही कल्याणी नदी के तट से स्वधाम प्रयाण तट कर गये परन्तु जाते–जाते अपने परमभक्त पुत्र देवकीनंदन को अपनी इहलौकिक लीलाओं का माध्यम चुनकर उन्होंने कहा था कि यह बालक देवकीनंदन कलयुग में भक्ति का अमर इतिहास लिखेगा, मैं स्वधाम जा रहा हूं और देवलोक से अपने भक्तों को अभीष्ट फल प्रदान करूंगा। मेरी भक्ति व आराधना से सभी मनोरथ पूरे होंगे।

स्वपनादेश एवं झुंझुनूं में श्री पंचदेव मंदिर का निर्माण :– अपने विष्णुलोक गमन के करीब 30 वर्ष पश्चात् अपने परमप्रिय भक्तपुत्र देवकीनंदन को स्वप्न दिखाकर आलौलिक आकाशवाणी के द्वारा श्री पंचदेव मंदिर की स्थापना का ओदश दिया। उक्त आदेश की अनुपालना में भक्त शिरोमणी देवकीनंदन अपनी सहधर्मिणी गायत्री देवी के साथ कलकत्ता से झुंझुनूं पधारे और गंगादशहरा सम्वत 2032 (सन् 1975)में झुंझुनूं नगर में भव्य एवं विशाल श्री पंचदेव मंदिर की स्थापना करवाई, जिसका पावन पाटोत्सव पुरी के तात्कालीन शंकराचार्य स्वामी निरंजनदेवजी महाराज के सानिध्य में सम्पन्न हुआ।

झुंझुनूं नगर के पूर्वी छोर पर सीकर–लोहारू राजमार्ग पर अवस्थित पंचदेव मंदिर दूर से ही लोगों का अपनी आभा का दर्शन करा देता है। मंदिर में बाबा गंगाराम सहित भगवान शिव, आंजनेय, हनुमान, भगवती दुर्गा और माता लक्ष्मी के मंदिर मिलाकर कुल पांच मंदिर हैं, अतएव बाबा गंगाराम का उक्त मंदिर श्री पंचदेव मंदिर के नाम से मशहूर हुआ। बाबा की सजीव एवं चित्ताकर्षक प्रतिमा के समक्ष जाते ही श्रद्धालुओं के मन में अपार शांति का संचार होता है और उनकी समस्त मनोकामनाएं बाबा पूरी करते हैं।

भक्त शिरोमणि देवकीनंदन का अभूतपूर्व त्याग:– मंदिर स्थापना के पश्चात् भक्त शिरोमणि देवकीनंदन का सांसारिक मोह–माया से विरक्ति हो जाती है एवं वे अपनी करोड़ों की सम्पदा, चल–अचल सम्पत्ति का त्याग कर सत्पात्रों में वितरित कर देते हैं और अपने आत्मांश दो पुत्र, चार पुत्रियां और भक्तिमति पत्नी गायत्री देवी के साथ मंदिर परिसर को ही अपना संसार समझकर बाबा की सेवा में समर्पित हो जाते हैं। यहीं से वे सभी प्राणी विश्वकल्याण के लिये प्रयासरत हैं। उनका यह त्याग आज के भौतिक युग में सचमुच एक उदाहरण बन गया।

भक्त देवकीनंदन का महाप्रयाण व चिता पर चमत्कार:– अन्तत: 21 अप्रेल 1992 (वैशाख कृष्ण चतुर्थी)को संसार को सत्य, त्याग एवं भक्ति का मार्ग दिखाने वाले भक्त शिरोमणि देवकीनंदन बाबा गंगाराम का नाम लेते–लेते अपना नश्वर शरीर त्याग देते हैं। जब उनके पार्थिव शरीर को पंचतत्व में विलीन किया जा रहा था, तो करूंगा, प्रेम और दया की मूरत धर्मपत्नी गायत्री देवी की करूण पुकार पर चिता में अलौकिक चमत्कार दिखने लगे। भक्त शिरोमणि देवकीनन्दन का दाहिना हाथ जलती चिता से ऊपर उठकर आशीर्वाद देता हुआ हिलने लगा, मस्तक से जल की धारा बहने लगी और चेहरा बालरूप में परिणित हो गया। मानो विष्णु अवतारी बाबा गंगाराम ने अपने भक्त की भक्ति का सशक्त प्रमाण जनता को दिया हो। आज के इस घोर कलियुग में हम इससे बड़ा चमत्कार और क्या देख सकते हैं।

आज बाबा के पावन धाम श्री पंचदेव मंदिर की यात्रा करने वाले श्रद्धालु अवश्य ही भक्त शिरोमणि देवकीनंदन की समाधि के दर्शन करते हैं और वहां की रज का प्रसादस्वरूप अपने साथ ले जाते हैं। भक्तों के असाध्य कष्ट उक्त रज को लगाने से दूर होते हैं। चिता पर हुए चमत्कारों के चित्र आज भी वहां उपलब्ध है। जैसे राम के परमभक्त होने का गौरव भक्त हनुमान को मिला, वही स्थान बाबा गंगाराम के चरणों में भक्त शिरोमणि देवकीनंदन को प्राप्त हुआ।

बाबा की महिमा को शब्दों में पिरोना सम्भव नहीं है। मंदिर में श्रावण शुक्ल दशमी को बाबा का जन्मोत्सव, ज्येष्ठ शुक्ल दशमी को मंदिर का पाटोत्सव एवं बैशाख कृष्ण चतुर्थी को आशीर्वाद दिवस धूमधाम से मनाया जाता है। बाबा की कृपा से लाखों भक्तों के जीवन में अभूतपूर्व चमत्कार हुए है। शायद यही कारण बाबा गंगाराम के प्रति भक्तों की दिवानगी बढ़ती जा रही है। नगर–नगर में बाबा के सेवा–संस्थान खुलते जा रहे हैं। जो बाबा की महिमा के प्रचार–प्रसार के अलावा सामाजिक व जनोपयोगी कार्यों में सदैव संलग्न रहते हैं।

–श्यामसुन्दर अग्रवाल

कल्पना-विकास का शुभविवाह

माई झुं. न्यूज। सौ.का. कल्पना सुपुत्री समाजसेवी ओमप्रकाश आबुसरिया सुपोत्री स्व. प्यारेलाल आबुसरिया का शुभ विवाह 23 जुलाई सोमवार को चि. विकास आए.ए.एस. सुपुत्र रामनिवास झाझड़िया के साथ आबुसरिया कृषि फार्म में सम्पन्न हुआ। आबुसरिया कृषि फार्म को दुल्हन की तरह सजाया हुआ था तथा मेहमानों की आवभगत उत्साह के साथ की जा रही थी।

विशाल ग्राउन्ड के स्वरूचि भोज सभी आगन्तुक मेहमानों को सुविधा से मील रूके हेतु पांच काउन्टर लगाये गये थे खास मेहमानों के लिए अलग से व्यवस्था निराली थी। खास पान भण्डार, कल्फी, ज्यूस, आईस्क्रमी तथा अन्य रूचि पूर्वक खाने की स्टालें अद्वितीय थी सभी व्यवस्थाएं स्वयं हरीश तुलस्यान एवं रामनिरंजन तुलस्यान, पुष्करजी केटर्स ने संभाल रखी थी।

अतिथियों के स्वागत में स्वयं वधु के पिता ओमप्रकाश आबुसरिया अगवानी में खड़े थे। समारोह पूर्वक सम्पन्न शुभविवाह की इस बेला में वर–वधु को आशिर्वाद देने के लिए विधानसभाध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा सिंह, सार्वजनिक निर्माण मंत्री राजेन्द्र राठौड़, जिला कलेक्टर दिनेश कुमार, जिला पुलिस अधीक्षक सचिन मित्तल, जिला जज शशि कुमार पारीक, सीजेएम जे पी शर्मा, प्रवासी रामनारायण केडिया सहित शहर के गणमान्यजन, अधिकारी गण बड़ी संख्या में पधारे थे।

–रक्षाबंधन का ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व–

–पं. महावीर प्रसाद शर्मा

यह पर्व श्रावण शुक्ल पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस बार यह 28 अगस्त को आ रहा है। इसी दिन भारत के पूर्वोत्तरी छोर पर अत्यल्प समय के लिये दृश्य चन्द्रग्रहण भी है। इस दिन रक्षाबंधन के साथ–साथ श्रवण पूजन व्रतोत्सव भी मनाया जाता है। श्रावण शुक्ल पूर्णिमा के दिन नेत्रहीन माता पिता का एकमात्र पुत्र श्रवण दशरथ जी के बाण से पशु के धोके से मारा गया। यह सुनकर उसके माता पिता बहुत दु:खी हुए। तब राजा दशरथ ने अपने अज्ञान में किये हुए अपराध की क्षमा याचना करके श्रावणी को श्रवण पूजा का सर्वत्र प्रचार किया। उस दिन से समस्त सनातनी श्रवण पूजा करते हैं और उक्त रक्षा सर्वप्रथम उसी को अर्पण करते हैं।

इसी दिन अपराह्न व्यापिनी तिथि में रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाता है। यदि पूर्णिमा दो दिन अपराह्न व्यापिनी हो अथवा दोनों ही दिन अपराह्न व्यापिनी न हो तो पूर्वा लेनी चाहिए। यदि उस दिन भद्रा हो तो उसको त्याग कर भद्रारहित समय में यह पर्व मनाना चाहिए। भद्रा में श्रावणी और फाल्गुनी दोनों वर्जित हैं। क्योंकि श्रावणी से राजा का और फाल्गुनी से प्रजा का अनिष्ट होता है। अत: भद्रा को छोड़कर रक्षाबंधन का पूरा दिन शुद्ध है। सांय चार बजकर 5 मिनट तक पूर्णिमा है। अत: यही समय रक्षाबंधन के लिये प्रशस्त है।

रक्षाबन्धन के सम्बंध में पौराणिक कथा यों है कि एक बार देवता और दानवों में बारह वर्षों तक युद्ध चला पर देवता विजयी नहीं हुए। तब देवगुरू वृहस्पति ने सम्मति दी कि युद्ध रोक देना चाहिए। यह सुनकर इन्द्राणी ने कहा कि मैं कल इन्द्र के रक्षा बांधूगी, उसके प्रभाव से इनकी रक्षा रहेगी और ये विजयी होंगे। श्रावण शुक्ल पूर्णिमा को वैसा ही किया गया और इन्द्र के साथ सम्पूर्ण देवता विजयी हुए।

इसी दिन ऋषि तर्पण एवं श्रावणी उपाकर्म आदि धार्मिक कृत्य भी किये जाते हैं। कुश निर्मित ऋषियों की स्थापना करके उनका पूजन तर्पण और विसर्जन करें और रक्षा पोटली बांधकर उसका मार्जन करें। तदन्तर आगामी वर्ष का अध्ययन क्रम नियत करें। यह गुरू पूर्णिमा व्यास पूजा का दिन भी है। यह समय देवशयन का भी है। इसमें विवाह गृह प्रवेशादि मांगलिक कार्य वर्जित है। संत महात्मा आदि चातुर्मास्य करके एक स्थान पर स्थित होकर कथा प्रवचन करते हैं। भगवान विष्णु के क्षीर सागर में शयन करने पर जो कोई नियम पालित होता है, वह अनन्त फल देने वाला होता है।

पंडित महावीर प्रसाद शर्मा

एम.ए. हिन्दी संस्कृत बीएड मो. 9460513758

डालमिया पहुंचे डगर–डगर

चिड़ावा, 6 जुलाई । प्रवासी उद्योपगति एवं समाजसेवी तथा रामकृष्ण जयदयाल डालमिया सेवा संस्थान के अध्यक्ष रघुहरि डालमिया शुक्रवार को चार गांवों की डगर पर चलते दिखाई दिए। भयंकर गर्मी के बावजूद डालमिया चारों गांवों में पसीने से तर–बतर होने के बाद भी रूके रहे और ग्रामीणों की समस्या जानकर उन्हें सुलझाने का आश्वासन दिया। निर्मल ग्राम पुरस्कार के लिए चयनित चार ग्राम पंचायते किशोरपुरा, तिगियास, नूनियां गोठड़ा व लांबा गोठड़ा का सम्मान करने के लिए डालमिया आए हुए थे। उपरोक्त चारों ग्राम पंचायतों के सरपंचों रूकमणी देवी नूनियां गोठड़ा, हरिसिंह मीणा लांबा गोठड़ा व परमेश्वरीदेवी तिगियास का शाल ओढ़ा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर संस्थान के सतवीर सिंह, किशोरीलाल, संजय शर्मा, योगेश कुमार, रंगलाल पूनियां, अरविंद शर्मा, राममेहर सिंह, जयसिंह धनखड़ पीटीआई, सरपंच महावीरप्रसाद सैनी, ब्लाक प्रांरभिक शिक्षा अधिकारी कैलाश चंद्र शर्मा, ओजटू सरपंच ओमप्रकाश डांगी, एबीईईओ रामसिंह लांबा, प्रतापसिंह महला, महेंद्र राव ग्रामसेवक सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जनप्रतिनिधि एवं लोग उपस्थित थे।

विश्व जम्बूरी इंग्लैंड में भाग लेने हेतु स्काउट रवाना

माई झुं. न्यूज। 27 जुलाई से 9 अगस्त 07 तक लंदन (इंग्लैंड) में आयोजित विश्व जम्बूरी में भाग लेने हेतु झुंझुनूं जिले के प्रेरणा उ.मा. विद्यालय नवलगढ़ से विकास कुमार एवं चिड़ावा कालेज चिड़ावा से साजिद,एवं नासिर अली का चयन राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा किया गया।

इस सम्भागियों को जिला कलेक्टर दिनेश कुमार जिला शिक्षा अधिकारी रामरतन मीना, कमिश्नर गंगाधर सिंह सूण्डा द्वारा किया। उक्त जम्बूरी स्काउटिंग के 100 वर्ष पूर्ण करने पर आयोजित की जा रही है।

जे.आई. सी. का उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम

माई झुंझुनूं न्यूज। शनिवार दिनांक 14 जुलाई 2007 को राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा घोषित बी.एससी. बोयोटेक्नोलोजी इन्टीग्रेटेड पार्ट–प्रथम के परीक्षा परिणाम में झुंझुनूं इन्टरनेशनल कॉलेज के विद्यार्थियों इन्टीग्रेटेड पार्ट–प्रथम के परीक्षा परिणाम में झुंझुनूं इन्टरनेशनल कॉलेज के विद्यार्थियों ने पुन: अपनी सर्वश्रेष्ठता सिद्ध की है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रवीन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि महाविद्यालय के छात्र शशांक चौधरी ने 78.50 प्रतिशत के साथ कॉलेज टॉप किया है तथा राहुल पूनियां ने 75 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। डॉ. शेखावत ने बताया कि सभी छात्रों ने 65 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर महाविद्यालय की श्रेष्ठ परिणाम की परम्परा का निर्वहन किया है।

जीवेम् के चेयरमेन श्री दिलीप मोदी, झुंझुनूं इन्टरनेशनल स्कूल की मैनेजिंग डायरेक्टर श्रीमती नीरजा मोदी, झुंझुनूं एकेडमी (CBSE), प्रधानाचार्य डॉ. प्रमोद कुमार यादव, न्यू झुंझुनूं एकेडमी प्रधानाचार्य श्री मोहनलाल धायल, छात्रावास अधीक्षक श्री कुरड़ाराम धींवा आदि ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए महाविद्यालय के प्राध्यापकों तथा छात्रों को बधाई दी।

मन्ड्रेला में स्व. विश्वनाथ रूंगटा की स्मृति में नेत्र शिविर

माई झुं. न्यूज। मन्ड्रेला में शुक्रवार 20 जुलाई को निशुल्क नेत्र चिकित्सा एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर स्व. विश्वनाथ रूंगटा की स्मृति में भोलाराम डेडराज रूंगटा नारायण सेवा समिति मंड्रेला के आर्थिक सहयोग, महादेव सिंघी नेत्र चिकित्सालय पिलानी व अंधता निवारण समिति झुंझुनूं के सहयोग से शिविर लगाया गया। इसमें 565 मरीजों ने पंजीयन कराया। जांच के बाद 95 मरीजों के आपरेशन किए गए। संयोजक शिवरतन रूंगटा ने बताया कि भर्ती किए गए मरीजों का आपरेशन महादेव सिंघी नेत्र चिकित्सालय पिलानी के अत्याधुनिक आपरेशसन थियेटर में किया गया। इस अवसर पर लाठ राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की एनएसएस इकाई के अलावा कई सेवा भावी लोगों ने मरीजों की सेवा की। सिंधी चिकित्सालय के नेत्र विशेषज्ञ डा. प्रमोदकुमार सहगल, डॉ. अमिताभ चक्रवर्ती, डा. आशीष गुप्ता व उनकी टीम ने रोगियों की आंखों की जांच की। इस अवसर पर सरपंच डा. अनिल अग्रवाल, डा. धर्मवीर शर्मा, डा.वीके शर्मा, दीनदयाल स्वामी, एनएसएस प्रभारी सत्यनारायण सैनी, बाबूलाल सोनी, नत्थूराम कुमावत, सीताराम रूंगटा, सुशील रूंगटा, भगवती प्रसाद तुलस्यान, महेश तुलस्यान सहित अन्यजन उपस्थित थे।

श्रीमती भारती टीबड़ा ने किया प्रेरणा शाखा द्वारा पौधारोपण

माई झुं. न्यूज। मारवाड़ी युवा मंच की महिला प्रेरणा शाखा की ओर से इंदिरानगर में पालिकाध्यक्ष श्रीमती भारती टीबड़ा के नेतृत्व में पौधे लगाए। इस मौके पर प्रेरणा शाखा अध्यक्ष अनिता राणासरिया, सचिव सपना राणासरिया, स्नेहलता शेखावत, सुलोचना सिंह, सरोज बंसल, अंजू शाह, मनीषा केजड़ीवाल, वीणा तुलस्यान, उषा केडिया, संगीता आर्य, कृष्णा केडिया सहित अन्य सदस्याएं उपस्थित थी। सचिव श्रीमती सपना राणासरिया ने बताया कि शहर के कई स्थानों पर शाखा की ओर से पौधरोपण की योजना है।

फोटो : रामनिवास सोनी

माई झुंझुनूं डॉट कॉम समाचार पत्र नेट पर देखें

www.myjhunjhunu.com/newspaper

1. मासिक समाचार पत्र का रंगीन संस्करण नेट पर उपलब्ध है।
2. आप अब तक के 18 तथा चालू माह सहित 19 अंक नेट पर देख सकते हैं।
3. मुद्रित समाचार पत्र के आपके पास पहुंचने से पहले ही वैब पर उपलब्धता
4. वांछित अंक को आप Save करके बाद में भी देख सकते हैं।

THINK JHUNJHUNU THINK MY JHUNJHUNU